स्रोत विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

RNI REG. NO: MPHIN/2007/20200

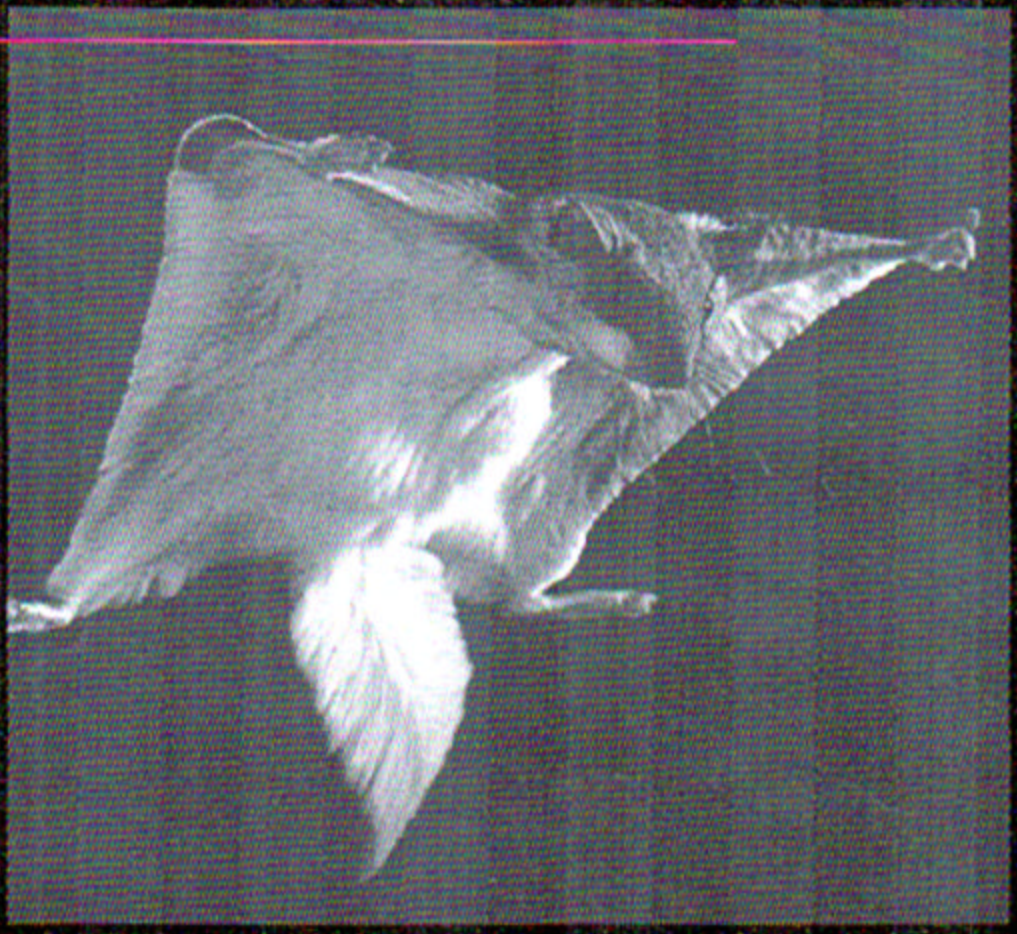

उड़न गिलहरियां *विस्पामोगोप्टेरस बिस्वासी* सिर्फ भारत में पाई जाती है। इनके प्राकृतावास के लगातार हो रहे विनाश के चलते इन पर विलुप्ति का खतरा मंडरा रहा है।

इस भारतीय उड़न गिलहरी का शरीर 40.5 से.मी. लंबा और पूंछ 60 से.मी. लंबी होती है। इनके पिछले पैर 7-8 से.मी. और कान 4-6 से.मी. लंबे होते हैं।

इनके फर मिले जुले लाल-सफेद रंग के होते हैं जिनके ऊपर एक सफेद पट्टी होती है। सिर का ऊपरी हिस्सा गहरे भूरे रंग का जबकि शरीर की वह पगड़ी जो इनको उछलने में मदद करती है भूरे रंग की होती है।

इसे पहली बार 27 अप्रैल 1981 को देबन में पाया गया। ये गिलहरी पेड़ों में रहती हैं और रात्रिचर हैं। इनकी वर्तमान संख्या ज्ञात नहीं है लेकिन ये नाओ दिहिंग नदी के जल ग्रहण क्षेत्र, खास तौर पर पटकोई श्रेणी, के पश्चिमी ढाल वाले क्षेत्र में पाई जाती हैं।

प्रकाशक, मुद्रक सी.एन. सुब्रह्मण्यम की ओर से निदेशक एकलव्य फाउण्डेशन द्वारा एकलव्य, ई-10 शंकर नगर, बी.डी.ए. कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल - 462016 (म.प्र.) से प्रकाशित तथा आदर्श प्राइवेट लिमिटेड, इंदिरा प्रेस कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर, ज़ोन-1 भोपाल (म.प्र.) 462 011 से मुद्रित। सम्पादक: डॉ. सुशील जोशी